

22/01/25

Reet (वंदन बैच)

EVS

सजीव - Part 3

सजीवों में गति / Movement in living things

- ✓ जन्तुओं में चलने का ढंग अलग-अलग होता है: -
- ✓ **The way of walking is different in animals: -**
- ✓ उल्लू काफी हद तक अपनी गर्दन को पीछे तक घुमा सकता है /
- ✓ **The owl can rotate its neck back and forth to a great extent**
 - कुछ जन्तु रेंगते हैं, जैसे- केंचुआ, साँप आदि।
 - **Some animals crawl, like earthworms, snakes etc.**
- ✓ केंचुआ पेशियों एवं शूक की मदद से रेंगता है और साँप पेशियों एवं वलय (छल्लों) की मदद से।
- ✓ **Earthworm crawls with the help of muscles and tentacles and snake crawls with the help of muscles and rings.**

- कुछ जन्तु उड़ते हैं, जैसे- पक्षी ।

- **Some animals fly, like birds.**

✓ पक्षी अपने पंखों की मदद से उड़ते हैं। परन्तु शुतुरमुर्ग और एमु पक्षी उड़ते नहीं हैं लेकिन ये काफी तेज गति से भाग सकते हैं।

✓ **Birds fly with the help of their wings. But ostriches and Emu birds do not fly but they can run very fast.**

- कुछ जन्तु तैरते हैं, जैसे- मछली, बतख आदि।

- **Some animals swim, like fish, ducks etc.**

✓ मछली अपनी धारा रेखीय शारीरिक आकृति के कारण तैरती है। बतख अपने जलयुक्त पादांगुलियों के कारण तैरती है। मेढ़क भी पादांगुलियों के कारण तैरता है।

✓ **Fish swim because of their streamlined body shape. Ducks swim because of their webbed toes. The frog also swims with the help of its toes.**

- कुछ जन्तु फुदकते हैं, जैसे-मेंढक ।
- **Some animals hop, like frogs.**
- ✓ कुछ जन्तु चलते भी हैं, चढ़ते भी हैं और उड़ते भी हैं - जैसे कॉकरोच ।
- ✓ **Some animals walk, climb and even fly - like cockroaches.**

सजीवों में प्रजनन / Reproduction in living organisms

- ✓ जिस प्रक्रिया के द्वारा सजीव अपने समान संतान उत्पन्न करते हैं, उसे प्रजनन कहा जाता है।
- ✓ **The process by which living organisms produce offspring similar to themselves is called reproduction.**
- ✓ वे जन्तु जिनके शरीर पर बाल होते हैं एवं जिनके कान दिखाई देते हैं वे बच्चों को जन्म देते हैं। इन जन्तुओं को जरायुज कहते हैं, जैसे- मनुष्य, कुत्ता, गाय, शेर, हाथी आदि।
- ✓ **Those animals which have hair on their body and whose ears are visible give birth to children. These animals are called viviparous like human, dog, cow, lion, elephant etc.**

- ✓ वे जन्तु जिनके कान दिखाई नहीं देते हैं एवं जिनके शरीर पर बाल नहीं होते हैं वे अंडे देते हैं। इन जन्तुओं को अंडप्रजक कहा जाता है, जैसे- पक्षी, मेढ़क, बतख, मछली आदि।
- ✓ **Those animals which do not have visible ears and do not have hair on their body lay eggs. These animals are called oviparous, like birds, frogs, ducks, fish etc.**
- ✓ चमगादड़, हेल मछली और सील मछली बच्चों को जन्म देती हैं। जो बच्चों को जन्म देते हैं और दूध पिलाते हैं उन्हें स्तनधारी भी कहा जाता है।
- ✓ **Bats, whales and seals give birth to children. Those who give birth to children and feed them milk are also called mammals.**

जीव और उनके बच्चे / Creatures and their children

जीव / Creatures

कपि / ape

चमगादड़ / Bat

भालू / Bear

पक्षी / Bird

तितली / Butterfly

ऊँट / Camel

कौआ / Crow

हाथी / Elephant

मेंढक / Frog

जिराफ / Giraffe

बाज / Hawk

घोड़ा / Horse

बच्चे / Children

बच्चा / baby monkey

पिल्ला/पिल्ली / Puppy

शावक / Cub

चूजा / Chick

कैटरपिलर / Caterpillar

बछड़ा/बछिया / calf/heifer

चूजा / Chick

बछड़ा/बछिया / calf/heifer

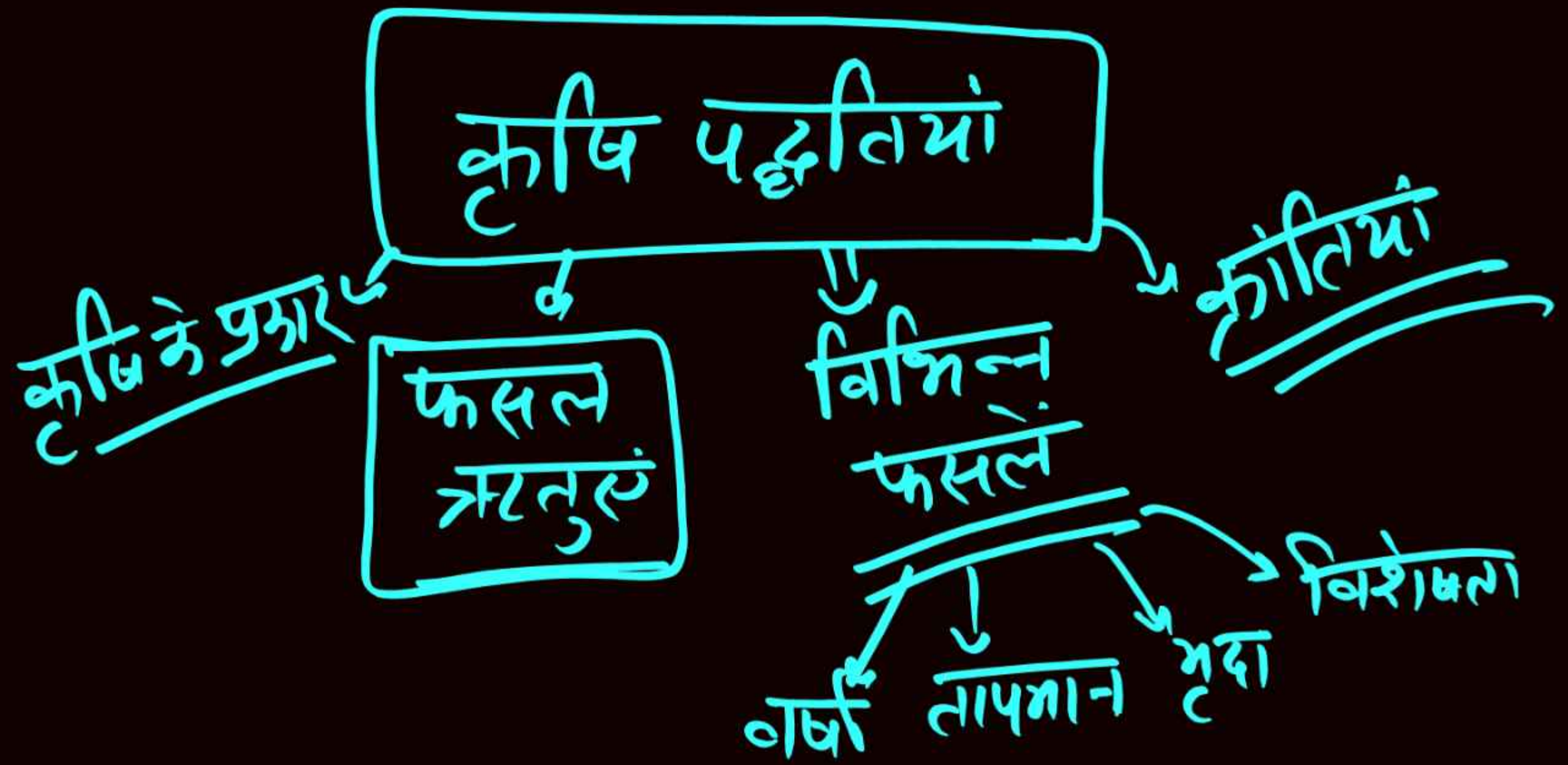
टेडपोल / tadpole

बछड़ा/बछिया / calf/heifer

इयास / iyaas

बछेड़ा/बछेड़ी / colt / filly

कंगारू / kangaroo	→	जोयी / joey
बन्दर / Monkey	→	शिशु / Monkey Baby
पेंग्विन / penguin	→	चूजा / chick
कुत्ता / Dog	→	पिल्ला/पिल्ली / puppy
खरगोश / Rabbit	→	बन्नी / bunny
शार्क / Shark	→	पिल्ला/पिल्ली / puppy
भेड़ / Sheep	→	मेमना / lamb
शेर / Lion	→	शावक / cub
याक / Yak	→	बछड़ा/बछिया / calf/heifer
जेबरा / Zebra	→	बछेड़ा/बछेड़ी / colt / filly



भारत में फसल ऋतुएँ

(Crop seasons in india)



भारत के उत्तरी व आंतरिक भागों में तीन प्रमुख ऋतुएँ खरीफ, रबी व जायद के नाम से जानी जाती हैं।

In the northern and interior parts of India, three major seasons are known as Kharif, Rabi and Zayed.

● खरीफ फसल ऋतु - फसलें - चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा व अरहर आदि।

Kharif Crop Season - crops - Rice, Cotton, Jute, Jowar, Bajra and Arhar etc.

बुआई अवधि(sowing period) - june-july

कटाई अवधि(harvesting period) - October-November

- रबी फसल ऋतु - रबी की फसलों को अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है और अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है। जैसे-गेहूँ, चना, जौ, मटर और सरसों आदि की बुआई में सहायक होता है।

Rabi Crop Season - Rabi crops are sown between October to December and harvested from April to June. example, wheat, gram, barley, peas and mustard etc.

● जायद फसल ऋतु - इस ऋतु में तरबूज, खीरा, ककड़ी, सब्जियाँ व चारे की फसलों की कृषि सिंचित भूमि पर की जाती है।

Zayed Crop Season - In this season, watermelon, cucumber, cucumber, vegetables and fodder crops are cultivated on irrigated land.

बुआई अवधि(sowing period) – March- April

कटाई अवधि(harvesting period) – June –July

भारतीय कृषि ऋतु

कृषि ऋतु	प्रमुख फसलें	
	उत्तरी भारतीय राज्य	दक्षिणी भारतीय राज्य
<u>खरीफ (जून से सितंबर)</u>	<u>चावल</u> , <u>कपास</u> , <u>बाजरा</u> , <u>मक्का</u> , <u>ज्वार</u> , <u>अरहर</u> (तूअर)	<u>चावल</u> , <u>मक्का</u> , <u>रागी</u> , <u>ज्वार</u> तथा <u>मूँगफली</u>
<u>रबी (अक्टूबर से मार्च)</u>	<u>गेहूँ</u> , <u>चना</u> , <u>तोरिया</u> , <u>सरसों</u> , <u>जौ</u>	<u>चावल</u> , <u>मक्का</u> , <u>रागी</u> , <u>मूँगफली</u>
<u>जायद (अप्रैल से जून)</u>	<u>सब्जियाँ</u> , <u>फल</u> , <u>चारा फसलें</u>	<u>चावल</u> , <u>सब्जियाँ</u> , <u>चारा</u>

चावल / Rice



- भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल (Rice) है।

Rice is the food grain of most of the people in India.

- यह एक खरीफ की फसल है, जिसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25° सेल्सियस से ऊपर) और अधिक आर्द्रता (100 सेमी से अधिक वर्षा) की आवश्यकता होती है।

It is a kharif crop, which requires high temperature (above 25°C) and high humidity (rainfall more than 100 cm) to grow.

- कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। चावल की फसल हेतु चिकनी एवं दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है।

In areas with low rainfall, it is grown under irrigation. Smooth and loamy soil is suitable for rice crop.

- दक्षिणी राज्यों तथा पश्चिम बंगाल में जलवायु अनुकूलता के कारण एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलें बोई जाती हैं।

In southern states and West Bengal, two or three crops of rice are sown in an agricultural year due to climatic adaptability.

- पश्चिम बंगाल में चावल की तीन फसलों की कृषि की जाती है, जिसे औस (Aus), अमन (Aman) और बोरो (Boro) कहा जाता है।

Three crops of rice are cultivated in West Bengal, which are called Aus, Aman and Boro.

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर चावल बोया जाता है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब हैं। Rice is grown on one-fourth of the total cultivated area of the country. The major rice producing states of the country are West Bengal, Uttar Pradesh, Punjab.

- चावल की प्रति हैक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक होती है।

The per hectare yield of rice is high in the states of Punjab, Tamil Nadu, Haryana, Andhra Pradesh, Telangana, West Bengal and Kerala.

- चावल की प्रमुख किस्में आई आर 20, जया, पूसा-2-21, कावेरी, आईईटी-1039, आईईटी - 1136 हैं।

- The major varieties of rice are IR 20, Jaya, Pusa-2-21, Kaveri, IET-1039, IET-1136.

गेहूँ / wheat



- भारत में चावल के पश्चात् गेहूँ दूसरा प्रमुख अनाज है।

Wheat is the second major cereal after rice in India.

- इसे शरद ऋतु अर्थात् रबी ऋतु में बोया जाता है।

- it is sown in autumn in Rabi season.

- इसे उगाने के लिए समान रूप से वितरित 50 से 75 सेमी वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

It requires an evenly distributed annual rainfall of 50 to 75 cm to grow.

- गेहूँ की फसल हेतु तापमान $10^{\circ}\text{C} - 15^{\circ}\text{C}$ एवं जलोढ़ मिट्टी उपयुक्त है।

- Temperature $10^{\circ}\text{C} - 15^{\circ}\text{C}$ and alluvial soil is suitable for wheat crop.

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के लगभग 14% भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है। गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान हैं। Wheat is cultivated on about 14% of the total sown area of the country. The major wheat producing states are Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Punjab, Haryana and Rajasthan.

अन्य फसलें / other crops

- गन्ना, चाय तथा कॉफी भारत की अन्य महत्वपूर्ण फसलें हैं

Sugarcane, tea and coffee are other important crops of India.

गन्ना / Sugarcane



- इसे उष्ण और आर्द्र जलवायु में बोया जाता है।

- It is sown in hot and humid climate.

- गन्ने की फसल हेतु 21°C से 27°C तापमान और 75 सेमी से 100 सेमी
वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

- Sugarcane crop requires 21°C to 27°C temperature and 75 cm to 100 cm annual rainfall.

- उत्तर प्रदेश देश का 40% गन्ना उत्पादन करता है।

- Uttar Pradesh produces 40% of the country's sugarcane.

- भारत में इसकी कृषि महाराष्ट्र व गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में की जाती है।

- In India, it is cultivated in Maharashtra, Gujrat, Karnataka, Tamil Nadu, Telangana and Andhra Pradesh.